RAJIV GANDHI NATIONAL UNIVERSITY OF LAW, PUNJAB
(Established under Punjab Act No. 12 of 2006)
(Accredited with 'A' Grade by NAAC)

RGNUL/PRO/2023/158
Date: 19-06-2023

Five-Day Refresher Training Programme for Law Officers of the National Investigation Agency begins at RGNUL

June 19, 2023

The Rajiv Gandhi National University of Law, Punjab, in association with National Investigation Agency (NIA) inaugurated Five-Day Refresher Training Programme for Law Officers of the National Investigation Agency on "Counter-Terror Laws: Investigation, Evidencing and Prosecution", which is scheduled from 19th to 23rd June, 2023. The training programme is aimed at replenishing and updating the knowledge of the Law Officers of the National Investigation Agency in terms of the latest developments in the legal and technical landscape pertaining to Counter Terror Laws, Investigation and Prosecution. The training programme tries to initiate and further the debate not only on the counter-terror laws but also on the broader understanding of Terrorism and Radicalisation. Over a period of five days, several sessions will be held on issues such as Collection of Evidence, Electronic Evidence and Social Media, Structured Investigation in Counter Terror Cases, Social Media and Online Radicalization, Latest Amendments and Latest Judgments under the UAPA, 1967 and NIA Act, 2008, Provisions for Investigation and Prosecution of Terror Related Offences under Criminal Laws, etc.

Sh. Atulchandra Kulkarni, Additional Director General, NIA was the Chief Guest for the Inaugural Session. While discussing the emergent issues relating to Terrorism, Sh. Kulkarni highlighted the need for detailed discussions on UAPA,1967 and NIA Act, 2008, speedy disposal of cases, inclusion of new wings within the NIA in relation to cyber-terrorism and human trafficking, and the exigency of bail reforms.

Prof. (Dr.) Anand Pawar, Vice-Chancellor, RGNUL gave the presidential address and deliberated on the prosecution and investigation hurdles faced by NIA, need for coordination between the Centre and State agencies, judicial reforms and the establishment of a common database for smoother investigation process. He further encouraged the participants to discuss the practical issues faced by them with the resource personnel to further enhance the effectiveness of the training programme.

Prof. (Dr.) Rakesh Mohan Sharma, Advisor (Forensics), RGNUL concluded the inaugural session with the vote of thanks.

Jasmine Kaur

Public Relation Officer

Registrar/Vice-Chancellor

Sidhuwal, Bhadson Road, Patiala - 147 006 (Punjab), INDIA.
Tel.: 0175 – 2391600, 2391601, 2391602, 2391603
e-mail: info@rgnul.ac.in, pr@rgnul.ac.in website: www.rgnul.ac.in

PUNJAB NEWS EXPRESS

Five-Day Refresher Training Programme for Law Officers of the National Investigation

PATIALA: The Rajiv Gandhi National University of Law, Punjab, in association with National Investigation Agency (NIA) inaugurated Five-Day Refresher Training Programme for Law Officers of the National Investigation Agency on "Counter-Terror Laws: Investigation, Evidencing and Prosecution", which is scheduled from 19th to 23rd June, 2023.

The training programme is aimed at replenishing and updating the knowledge of the Law Officers of the National Investigation Agency in terms of the latest developments in the legal and technical landscape pertaining to Counter Terror Laws, Investigation and Prosecution. The training programme tries to initiate and further the debate not only on the counter-terror laws but also on the broader understanding of Terrorism and Radicalisation. Over a period of five days, several sessions will be held on issues such as Collection of Evidence, Electronic Evidence and Social Media, Structured Investigation in Counter Terror Cases, Social Media and Online Radicalization, Latest Amendments and Latest Judgments under the UAPA, 1967 and NIA Act, 2008, Provisions for Investigation and Prosecution of Terror Related Offences under Criminal Laws, etc.

Sh. Atulchandra Kulkarni, Additional Director General, NIA was the Chief Guest for the Inaugural Session. While discussing the emergent issues relating to Terrorism, Sh. Kulkarni highlighted the need for detailed discussions on UAPA, 1967 and NIA Act, 2008, speedy disposal of cases, inclusion of new wings within the NIA in relation to cyber-terrorism and human trafficking, and the exigency of bail reforms.

Prof. (Dr.) AnandPawar, Vice-Chancellor, RGNUL gave the presidential address and deliberated on the prosecution and investigation hurdles faced by NIA, need for coordination between the Centre and State agencies, judicial reforms and the establishment of a common database for smoother investigation process. He further encouraged the participants to discuss the practical issues faced by them with the resource personnel to further enhance the effectiveness of the training programme.

Prof. (Dr.) Rakesh Mohan Sharma, Advisor (Forensics), RGNUL concluded the inaugural session with the vote of thanks.

PRESS CLIPPINGS
June 20, 2023
RGNUL News

Punjab Kesari (03)

June *20, 2023*

लॉ यूनिवर्सिटी में एन.आई.ए. अफसरों के लिए 5-दिवसीय रिफ्रैशर ट्रेनिंग कार्यक्रम शुरू

पटियाला, 19 जून (जोसन, राजेश) : राजीव गांधी नैशनल यूनिवर्सिटी ऑफ लॉ की तरफ से नैशनल इन्वैस्टीगेशन एजैंसी (एन.आई.ए.) के सहयोग के साथ आतंकवाद विरोधी कानून-जांच, सबूत और मुकद्दमे विषय पर 5-दिवसीय रिफ्रैशर सिखलाई प्रोग्राम की शुरूआत की गई।

लॉ यूनिवर्सिटी में करवाए प्रोग्राम का दृश्य। (सुखविंदर)

इस ट्रेनिंग कार्यक्रम का उद्देश्य आतंकवाद विरोधी कानूनों, जांच और मुकदमों के साथ सम्बन्धित नई कानूनी और तकनीकी तकनीकों से राष्ट्रीय जांच एजैंसी के लॉ अधिकारियों को अवगत करवाना है। 5 दिवसीय ट्रेनिंग कार्यक्रम में सबूतों का संग्रह, इलैक्ट्रानिक सबूत और सोशल मीडिया, आतंकवाद विरोधी मामलों में स्ट्रकचर्ड इन्वैस्टीगेशन, सोशल मीडिया और ऑनलाइन रैडीकलाइजेशन, यू.ए.पी.ए., 1967 और 1967 के अंतर्गत नवीनतम संशोधनों और ताजा फैसले जैसे मुद्दों पर कई सैशन आयोजित किए जाएंगे।

अतिरिक्त डायरैक्टर जनरल एन.आई.ए. अतुलचंद्र कुलकर्णी उद्घाटनी सैशन में मुख्यातिथि के तौर पर शामिल हुए। इस मौके उन्होंने आतंकवाद के साथ संबंधित हंगामी मुद्दों पर चर्चा करते हुए यू.पी.ए., 1967 और एन.आई.ए. एक्ट, 2008, केसों के तेजी के साथ निपटारे, साईबर आतंकवाद और मानवीय तस्करी के संबंध में एन.आई.ए. के अंदर नए विंगों को शामिल करने और जमानत सुधारों की जरूरत बारे विचार रखे।

Daink Bhaskar (04)

June *20, 2023*

लॉ यूनिवर्सिटी में एनआईए के विधि अधिकारियों के लिए 5 दिवसीय रिफ्रेशर ट्रेनिंग प्रोग्राम शुरू

पटियाला। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) के सहयोग से राजीव गांधी राष्ट्रीय लॉ यूनिवर्सिटी ने आतंकवाद विरोधी कानूनः जांच, साक्ष्य और अभियोजन पर पांच दिवसीय रिफ्रेशर प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया। 5 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में साक्ष्य संग्रह, इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य और सोशल मीडिया, आतंकवाद विरोधी मामलों में संरचित जांच, सोशल मीडिया और ऑनलाइन कट्टरता, यूएपीए, 1967 और नवीनतम संशोधन और 1967 के तहत हालिया निर्णय जैसे मुद्दों पर कई सत्र होंगे। अतिरिक्त महानिदेशक एनआईए अतुलचंद्र कुलकर्णी उद्घाटन सत्र में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। इस अवसर पर आतंकवाद, यूएपीए, 1967 और एनआईए अधिनियम, 2008, मामलों के त्वरित निपटान, साइबर आतंकवाद और जमानत सुधारों से संबंधित जरूरी मुद्दों पर चर्चा हुई। आरजीएनयूएल वाइस चांसलर प्रो. (डॉ.) आनंदपवार ने अध्यक्षीय भाषण दिया और केंद्रीय और राज्य एजेंसियों के बीच समन्वय, न्यायिक सुधार और एक सामान्य डेटाबेस की स्थापना की आवश्यकता पर चर्चा की।

Dainik Jagran (03)

June *01, 2023*

ला अफसरों के लिए प्रशिक्षण शुरू

- पांच दिवसीय रिफ्रेशर प्रशिक्षण में दी जाएगी मुकदमों की जानकारी
- आतंकवाद विरोधी मामलों का भी वकीलों को दिया गया प्रशिक्षण

पांच दिवसीय रिफ्रेशर प्रशिक्षण कोर्स में शामिल अधिकारी • जागरण

जागरण संवाददाता, पटियाला : राजीव गांधी नेशनल यूनिवर्सिटी आफ ला द्वारा नेशनल इनवेस्टीगेशन एजेंसी के सहयोग से आतंकवाद विरोधी कानून, जांच,सबुत व मुकदमे विषय पर पांच दिवसीय रिफ्रेशर सिखलाई प्रोग्राम की शुरूआत की गई। इस प्रोग्राम का उद्देश्य आतंकवाद विरोधी कानून, जांच व मुकदमे से संबंधित नई कानूनी व तकनीति, तकनीकों से राष्ट्रीय जांच एजेंसी के ला अधिकारियों को जानकारी देना है। इस पांच दिन के प्रोग्राम में इलेक्ट्रानिक सबुत व सोशल मीडिया, आतंकवाद विरोधी मामलों में स्ट्रक्चर्ड इनवेस्टीगेशन, सोशल मीडिया व आनलाइन रैडीकलाइजेशन यूएपीए, 1967 व 1967 के तहत नवीनतम संशोधन व ताजा फैसले जैसे मुद्दों पर कई सेशन आयोजित किए जाएंगे।

डिप्टी डायरेक्टर जनरल एनआईए अतुल चंद्र कुलकर्णी उद्घाटनी सेशन में मुख्य मेहमान के तौर पर शामिल हुए। इस मौके उन्होंने आंतकवाद से संबंधित मुद्दों पर चर्चा करते हुए यूएपीए 1967 व एनआइए एक्ट, 2008, केसों के तेजी से निपटारे, साइबर आतंकवाद व मानव तस्करी संबंध में एनआईए के भीतर नए विंग को शामिल करना संबंधी अपने विचार रखे। आरजीएनयूएल के वीसी प्रो.डा.आनंद पवार ने प्रधानगी भाषण दिया और केंद्र व राज्य एजेंसी में तालमेल की जरूरत, न्यायिक सुधार और एक साझा डाटाबेस की स्थापना पर चर्चा की। प्रो.डा.राकेश मोहन शर्मा, सलाहकार आरजीएनयूएल ने प्रोग्राम मे आए अधिकारियों का धन्यवादकिया।